जब हम भयभीत तथा लज्जित होते हैं, तब परमेश्वर हमारी सहायता करता है

परमेश्वर से, इस अध्ययन का उपयोग, हर एक बालक को उसमे शांति तथा सुरक्षा पाने में सहायता के लिये माँगे।

उपक्रम: कुछ समतल शिलायें एकत्रित करें जिन पर बालक लिख सकें।

बालक चित्रों में रंग भरना चाह सकते हैं।

1 शमूएल 17:20–51 मे दाऊद तथा गोलियत की कहानी पढ़ें या स्मरण शक्ति द्वारा बतायें। अगर संभव हो तो बड़ी उम्र के बालक को अन्यों के लिये पढ़ने दें। बालकों से प्रश्न पूछें, कि कैसे परमेश्वर की शक्ति भय तथा लज्जा पर विजयी होती है:

- दाऊद क्या कर रहा था, जब उसके बड़े भाई फौज में युद्ध कर रहे थे?
- दाऊद ने क्या कार्य करना सीखा, जब वह अपने पिता की भेड़ों की रखवाली करता था?
- दाऊद के बड़े भाई ने क्या शिकायत करी, जब दाऊद युद्धभूमि में आया?
- दाऊद ने शाऊल का कवच पहनने से क्यों इन्कार किया, जब वह युद्ध के लिये गया?
- दाऊद को किसने शक्तिशाली बनाया जब के दैत्य गोलियत वह विरूद्ध गया?
- परमेश्वर ने एक युवा लड़के को एक दैत्य को मारने में कैसे सहायता करी, जो लोगों को भयभीत कर रहा था?

सक्रियता: अपने भय को पराजित करना

- कागज़ के एक बड़े टुकड़े पर कुछ भय लिखें जो लोगों मे होते हैं। बालक अपने कुछ भय का उल्लेख कर सकते हैं।
- जो शब्द परमेश्वर का वर्णन करते हों उन शब्दों को बड़े बालकों को शिलाओं पर लिखने दें। जो शब्द परमेश्वर के बारे में बतातें हैं उनका सब बालकों को उल्लेख करने दें। कुछ उदाहरण है: **"शक्तिशाली"** "सब जानता है," **"मुझे प्रेम करता है,"** **"हर जगह है**, "तथा" **"मुझे बचाता है।"** कागज़ के बड़े टुकड़े जिनपर बालकों के भय लिखे हुए हैं उन की और बालकों को पत्थर मारने को कहें। आप बालकों को यह करने देने के लिये बाहर ले जाना चाहेगें।

विचार करने के लिये कुछ बात: पत्थर हमें निर्बल लोगों की सुरक्षा के लिये परमेश्वर की शाक्ति का स्मरण कराते हैं। जो पत्थर दाऊद ने गोलियत की और फेंका परमेश्वर ने उसे शक्तिशाली बना दिया था।

परम प्रधान का आश्रय चार बालकों को पढ़ने दें, स्मरणशक्ति से कहने दें या भजन संहिता 91 के चार भागों को गाने दें (पद 1,2,4,5,6,7,11,12):

1) जो परम प्रधान के छाए हुए स्थान में बैठा रहे, वह सर्वशक्तिमान की छाया में ठिकाना पायेगा।

2) मैं यहोवा के विषय कहूँगा कि "वह मेरा शरणस्थान और गढ़ है,
वह मेरा परमेश्वर है, मैं उस पर भरोसा रखूंगा।"

4) वह तुझे अपने पंखों की आड़ में ले लेगा,
और तू उसके पैरों के नीचे शरण पायेगा;

5) तू ना रात के भय से डरेगा,
और ना उस तीर से जो दिन को उड़ता है,

6) ना उस मरी से जो अन्धेरे में फैलती है,
ना उस महारोग से जो दिन दुपहरी में उजाड़ता है।

7) तेरे निकट हज़ार,
और तेरी दाहिनी ओर दस हज़ार गिरेगें,
परन्तु वह तेरे पास ना आयेगा।

11) क्योंकि वह अपने दूतों को तेरे निमित्त आज्ञा देगा,
कि जहाँ कहीं तू जाए वे तेरी रक्षा करें।

12) वे तुझ को हाथों हाथ उठा लेंगे,
ऐसा ना हो कि तेरे पावों में पत्थर से ठेस लगे।

1 शमूएल 17:1–51 में से दाऊद तथा गोलियत की कहानी का नाटकीकरण करें।

- आराधना के मार्गदर्शकों के साथ नाटक को व्यस्कों के समक्ष प्रस्तुत करने का प्रबन्ध करें।
- अगर समय सीमित हो, कहानी के कम महत्व वाले भागों को छोड़ दें।
- कुछ बालकों को फिलिस्तीनियों जैसा अभिनय करना चाहिये, अन्यों को इश्त्राएली सैनिकों जैसा। अगर ज़्यादा बालक ना हों, तो व्यस्कों से सहायता के लिये कहें।
- अभ्यास करें जब तक सब को पता नहीं चल जाता, कि क्या करना और कहना है।

अभिनेता बाईबल के व्यक्ति के शब्द बोलते हैं, तथा अभिनय करते हैं जब वर्णनकर्ता कहानी के उस भाग पर आता है।

वर्णनकर्ता: कहानी के उन भागों को पढ़ता है जो कि बोले नहीं जाते, तथा अभिनेताओं के द्वारा उनके हिस्से के अभिनय करने के समय रूक जाता है। दो बालकों को राजा तथा यिशै के लिये खड़ा करें।

गोलियत एक डंडी साथ रखता है (भाला दर्शाने के लिये) तथा ज़ोर से और क्रोध में चिल्लाता है।

दाऊद: गुलेल का उपयोग करने का दिखावा करता है। वो पत्थर को रखने की एक चमड़े की थैली थी, जो दो तारों से बंधी थी। उपयोगकर्ता उसको अपने सिर के ऊपर से घुमाकर रूक तार को छोड़ता था पत्थर को निकलने के लिये।

प्रार्थना: स्वर्ग सर्वशक्तिमान पिता, अपने भय पर विजय पाने में हम सब की सहायता करें। हमें अपनी शक्ति में वैसा ही भरोसा तथा विश्वास प्रदान करें, जो कि दाऊद को करा था। यीशु के नाम में माँगते हैं, आमीन।